

Bajrang Baan In Hindi PDF Free Download

दोहा :

निश्चय प्रेम प्रतीति ते, बिनय करें सनमान।
तेहि के कारज सकल शुभ, सिद्ध करें हनुमान॥

चौपाई :

जय हनुमंत संत हितकारी।
सुन लीजै प्रभु अरज हमारी॥ 1 ॥

जन के काज बिलंब न कीजै।
आतुर दौरि महा सुख दीजै॥ 2 ॥

जैसे कूदि सिंधु महिपारा।
सुरसा बदन पैठि बिस्तारा॥ 3 ॥

आगे जाय लंकिनी रोका।
मारेहु लात गई सुरलोका॥ 4 ॥

जाय बिभीषन को सुख दीन्हा।
सीता निरखि परमपद लीन्हा॥ 5 ॥

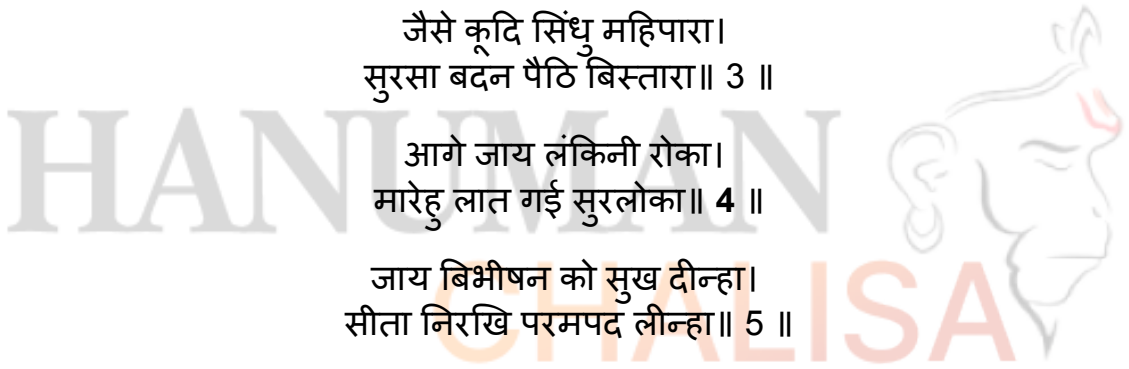
बाग उजारि सिंधु महँ बोरा।
अति आतुर जमकातर तोरा॥ 6 ॥

अक्षय कुमार मारि संहारा।
लूम लपेटि लंक को जारा॥ 7 ॥

लाह समान लंक जरि गई।
य जय धुनि सुरपुर नभ भई॥ 8 ॥

अब बिलंब केहि कारन स्वामी।
कृपा करहु उर अंतरयामी॥ 9 ॥

जय जय लखन प्रान के दाता।
आतुर हवै दुख करहु निपाता॥ 10 ॥



जै हनुमान जयति बल-सागर।
सुर-समूह-समरथ भट-नागर ॥ 11 ॥

ॐ हनु हनु हनु हनुमंत हठीले।
बैरिहि मारु बज्र की कीले ॥ 12 ॥

ॐ हनीं हनीं हनीं हनुमंत कपीसा।
ॐ हुं हुं हुं हनु अरि उर सीसा ॥ 13 ॥

जय अंजनि कुमार बलवंता।
शंकरसुवन बीर हनुमंता ॥ 14 ॥

बदन कराल काल-कुल-घालक।
राम सहाय सदा प्रतिपालक ॥ 15 ॥

भूत, प्रेत, पिसाच निसाचर।
अग्नि बेताल काल मारी मर ॥ 16 ॥

इन्हें मारु, तोहि सपथ राम की।
राखु नाथ मरजाद नाम की ॥ 17 ॥

सत्य होहु हरि सपथ पाइ कै।
राम दूत धरु मारु धाइ कै ॥ 18 ॥

जय जय जय हनुमंत अगाधा।
दुख पावत जन केहि अपराधा ॥ 19 ॥

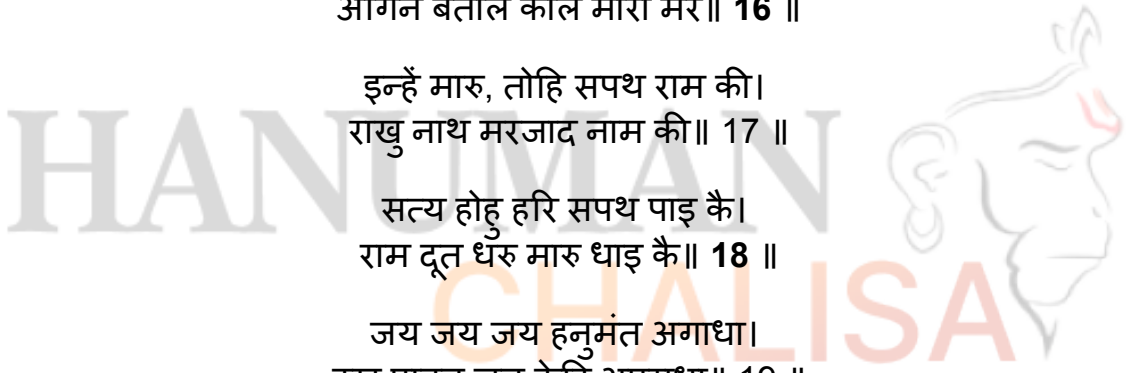
पूजा जप तप नेम अचारा।
नहिं जानत कछु दास तुम्हारा ॥ 20 ॥

बन उपबन मग गिरि गृह माहीं।
तुम्हरे बल हौं डरपत नाहीं ॥ 21 ॥

जनकसुता हरि दास कहावौ।
ताकी सपथ बिलंब न लावौ ॥ 22 ॥

जै जै जै धुनि होत अकासा।
सुमिरत होय दुसह दुख नासा ॥ 23 ॥

चरन पकरि, कर जोरि मनावौं।
यहि औसर अब केहि गोहरावौं ॥ 24 ॥



उठु, उठु, चलु, तोहि राम दुहाई।
पायँ परौ, कर जोरि मनाई ॥ 25 ॥

ॐ चं चं चं चं चपल चलंता।
ॐ हनु हनु हनु हनु हनुमंता ॥ 26 ॥

ॐ हं हं हाँक देत कपि चंचल।
ॐ सं सं सहमि पराने खल-दल ॥ 27 ॥

अपने जन को तुरत उबारौ।
सुमिरत होय आनंद हमारौ ॥ 28 ॥

यह बजरंग-बाण जेहि मारै।
ताहि कहौ फिरि कवन उबारै ॥ 29 ॥

पाठ करै बजरंग-बाण की।
हनुमत रक्षा करै प्रान की ॥ 30 ॥

यह बजरंग बाण जो जाएँ।
तासों भूत-प्रेत सब कापैँ ॥ 31 ॥

धूप देय जो जपै हमेसा।
ताके तन नहिं रहै कलेसा ॥ 32 ॥

दोहा :

उर प्रतीति दृढ़, सरन हवै, पाठ करै धरि ध्यान।
बाधा सब हर, करै सब काम सफल हनुमान ॥

Hanumanchalisapdf.org

